The Rajasthan Khadi and Village Industries Board had referred the matter to the Registrar of Cooperative Societies and his report is awaited.

जीप रेलगाड़ी दुर्घटना

3417. श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 22 अप्रैल, 1967 को जैतू स्टेशन (भटिण्डा) के पास एक जीप तथा रेलगाड़ी की दुर्घटना हो गई थी;

(ख) यदि हां, तो इस दुर्घटना के क्या कारण थे; और

(ग) इसके परिणामस्वरूप जान तथा माल की कितनी हानि हुई ?

रेलवे मन्त्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) सम्भवत: आशय उस दुर्घटना से है जिसमें 22-4-67 को उत्तर रेलवे के अबोहर और पंज-कोसी स्टेशनों के बीच बिना चौकीदार वाले एक समपार पर गाड़ी नं० 3 एच० बी० एक स्टेशन वैगन से टकरा गयी थी ।

(ख) दुर्घटना का कारण यह था कि स्टेशन वैगन के ड्राइवर ने उस समय समपार पार करने की कोशिश की जब गाड़ी वहां पहुंच रही थी ।

(ग) इस दुर्घटना में दो व्यक्ति जान से मारे गये । गाड़ी के इंजन को लगभग 5 रुपये की क्षति का अनुमान है ।

रेलवे स्टेशनों पर अनियमिततायें

3418. श्री जगन्नाथराव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पार्सलों द्वारा भेजे जाने वाले माल के सम्बन्ध में रेलवे स्टेशनों पर बहुत अनियमिततायें हैं जिसके परिणामस्वरूप अब व्यापारी पहले की तुलना में रेलों से कम माल भेजते हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि स्टेशनों पर रेलवे पार्सलों की चोरी बढ़ गई है और बस की तुलना में रेलवे द्वारा माल ले जाने में अधिक समय लगता है; और

(ग) यदि हां, तो उस सम्बन्ध में सुधार करने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेलवे मन्त्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) पार्सल यातायात में कोई कमी नहीं आयी है । रेलवे स्टेशनों पर अनियमितताएं हैं या नहीं इस प्रश्न का उत्तर स्वभावत: 'हां' या 'नहीं' में नहीं दिया जा सकता । संभवत: माननीय सदस्य का आशय कुछ कर्मचारियों द्वारा किन्हीं स्टेशनों पर की गयी अनियमितताओं से है । यदि माननीय सदस्य तथ्य उपलब्ध करा सकें, तो समुचित कार्रवाई की जा सकती है ।

(ख) 1965-66 की तुलना में 1966-67 में दक्षिण, पूर्वोत्तर-सीमा, दक्षिण-मध्य, पूर्व, पश्चिम और उत्तर रेलों में पार्सलों की चोरी की घटनाओं में वृद्धि नहीं हुई है, जबकि मध्य, पूर्वोत्तर और दक्षिण-पूर्व रेलों में पार्सल की चोरी की घटनाओं में कुछ वृद्धि होने की रिपोर्ट मिली है । रेलवे द्वारा पार्सलों की ढुलाई की तुलना में बस द्वारा

पार्सलों की ढुलाई में कितना समय लगता है, इसके आंकड़े तत्काल उपलब्ध नहीं हैं ।

(ग) पार्सलों की चोरी की रोकथाम के लिये पर्याप्त सुरक्षात्मक कार्रवाई की गयी है और रेलवे सुरक्षा दल के कर्मचारी अचानक जांच करते रहते हैं ।

Panskura Railway Station

3419. Shri H. P. Chatterjee:
Shri S. C. Samanta:
Shri Yashpal Singh:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether a separate and suitable building on the platform of Panskura Railway Station (S.E. Rly.) has been built according to the plan and estimate submitted by the P. & T. Department;

(b) if not, the reasons therefor;

(c) whether it is a fact that P. & T. Department approached the Railway Board some ten to twelve years back and the Railways acceded to their request; and

(d) if so, the steps taken in the matter?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) No.

(b) to (d). Proposal for the construction of an R.M.S. office was received from the Post Master General, West Bengal in December, 1960. Due to remodelling of the station in connection with electrification of Howrah-Kharagpur Section, plan for R.M.S. office could not be prepared till March 1962, when a plan was sent to the P. & T. Deptt. and accepted by them in March 1963. However, on account of the proposed third line between Howrah and Panskura, further remodelling of the station became necessary. The final plans and estimate, have since been submitted to the Post Master General, West Bengal on 10th June, 1966 and his acceptance is awaited.

Surplus Land acquired by H.E.C. Ranchi

3420. Shri P. K. Ghosh: Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to bring under cultivation the 2,500 acres of surplus land acquired by the Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi; and

(b) if so, in what manner and by what time the entire area is expected to be brought under cultivation?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) and (b). Of the 4400 acres of land acquired for the township, 1800 acres have been utilised and 220 acres transferred to Government of Bihar, Bihar State Electricity Board and Railways. The balance of 2470 acres will be required for extension of Township and new Projects and Expansions.

60 acres of the vacant area has however been brought under cultivation departmentally, on experimental basis. A proposal for transferring this farm to a cooperative society of the employees is under consideration. To the extent possible, more area will be brought under cultivation temporarily.

Surplus Staff in H.E.C., Ranchi

3421. Shri P. K. Ghosh: Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) the total number of construction staff of different categories rendered surplus in he Heavy Engineering Corporation, Ranchi;

(b) how many of such persons have been absorbed in the Corporation itself till now, how many of them got alternative employment through the Ministry and how many got employed elsewhere through their own efforts;